GI G

डा० एम0सी० जोशी. अपर सचिव उत्तरांचल शासन।

सवा म

जिलाधिकारी हरिद्वार उधमसिहनगर स्द्रप्रयाग बागश्वर उत्तरांचल।

ऊर्जा विभाग

देहरादूनः दिनांकः 🕉 मार्च, २००६

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 में IREP कार्यक्रम हेतु आयोजनागत में वित्तीय स्वीकृति।

महादय,

उपर्युक्त विषयक निर्देशक उरेडा के पत्र संख्या 3074/उरेडा/बतट/आईआरईपी/04-05 विनाक 14.03.2005 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या 811/1.2004-03-1/3/04 दिनांक: 11.03.2005 के कन में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में उत्तरीयल अश्रय ऊर्ज़ा विकास अनिकरण (उरेडा) को आयोजनागत में एकीकृत ग्रामीण अर्जा कार्यक्रम (IREP) के लिये संलग्न यी0एम0 15 के अनुसार संगत नद से २० 12.83.000/- एवं पुनर्विनियोग को माध्यम से २० 3.11.000/- कुल २० 15.94.000/- (५० पन्दह लाख ग्रीशनवे हजार मान्न) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्देश पर रखें जाने की श्री राज्यपाल महादय सहर्ष र्याकृति प्रदान करते है:-

 उक्त स्वीकृत धनराशि की योजनावार/जिलावार फांट निदेशक, उरेडा द्वारा करते हुवे सन्वन्धित जिलां एवं शासन की अवगत कराया जायेगा।

2— उन्नत स्वीकृत धनराशि का व्यय IREP कार्यों के लिये ही किया जायेगा तथा जिला योजना से सम्बन्धित व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों पर उनके लिये अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत किया जायेगा। साथ ही उरेडा द्वारा भारत सरकार के गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोत विभाग के पत्रांक F No 47/30/2003-IREP विनांक 17—1—2005 में इंगित शर्तों का पूर्ण रुपेण पालन किया जावेगा।

उ- रवीकृत धनराशि के बिल उरेड़ा के सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी के हस्ताक्षर एवं सम्बन्धित जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित बिल सम्बन्धित कोषागार में प्रस्तुत करके धनराशि का आहरण किया जायेगा। मुख्यालय सं सम्बन्धित धनराशि का आहरण वित्त एवं लेखाधिकारी, उरेड़ा द्वारा तैयार कर बिल पर एवं जिलाधिकारी, वेहरादुन के प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त किया जायेगा।

4— व्यव करने से पूर्व जिन नामलों/योजनाओं पर बजट मैनुअल और फाईनेन्सियल हैण्डदुक के सुसगत नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त की जावेगी। साथ ही योजनाओं पर वित्तीव/प्रशासकीय अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

5— यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जिला योजना में स्पेशल कम्पोनेन्ट / ट्राईवल सब-प्लान के अन्तर्गत गात्राफृत परिव्यय / चिन्तित सक्ष्मों की सीमा तक उक्त स्थीकृत धनसीश से व्यय क्रमश अनुसूचित ज्यति / अनुसूचित जनजाति योजना के सापक्ष किया जायेगा >

स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपयोग कर किया जावंगा।

- 7— उरंख द्वारा कार्यक्रम / योजना के अधीन कार्यों का वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं अन्य योजित सूचनाय बेमासिक रूप से निविमत भारत सरकार के गैर परम्परागत ऊर्जों क्रोत विभाग एवं शासन को प्रेणित की जायेगी तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी दिनांक 31.03.2005 को प्रेणित किया जायेगा।
- ठ- उक्र अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं कार्यों की विलीय एवं मोतिक प्रगति भारत सरकार से राज्य सरकार को शीम्रतिशीध प्रेषित कर द्वितीय किश्त भी शीम्र प्राप्त करन का प्रयास किया जायेगा।
- 9— इस सम्बन्ध में होंने बाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आद-व्ययक के अनुदान स0-19 के लंखासीर्थक-2501-बान बिकास के लिवे विशेष कार्यक्रम-04-एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा आयोजन कार्यक्रम-105 -परियोजनाओं का कियान्ययन-91-उरेडा को एकीकृत परियोजनाओं के कियान्ययन हेतु अनुदान (जिला योजना)-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

2—वह आदेश विता विभाग के अशासकीय सं0— 1921/विवअनु0—2/04, दिनांक 30 मार्च 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहनति सं जारी किये जा रहे हैं। सलानक—यथीपरि।

> भवदीय, (डा० एम०सी० जोशी) अपर सचिव

संख्या: 15 /1/2004-03-1(1)/3/04,तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्निसिक्ति को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को माठ मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु/निजी सचिव, राज्य मंत्री को माठ राज्य मंत्री के संज्ञानार्थ ।
- 2- प्रमुख सर्थिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तरांचल शासन को सूचनार्थ।
- 3- महालंखाकार उत्तरावल देहरादून।
- 4— सचिव, अपारम्परिक कर्जा स्रोत विभाग, भारत सरकार (द्वारा निवेशक, उरेडा)
- कोपाधिकारी, हरिद्वार, उधमसिंहनगर, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, उत्तरांचल।
- 6- निवंशक, उत्तरांबल असय ऊर्जा विकास अभिकरण, उरेडा, देहरावून।
- 7- समस्त परियोजना अधिकारी उरहा उत्तरांचल ।
- 8- नियाजन विभाग उत्तरावल शासन।
- 9- श्री एल०एन० पन्त अपर सचिव वित्त उत्तराञ्चल शासन।
- 10- वित अनुभाग-2, उत्तराचल शासन।
- प्रमारी एन आई सी. सविवालय परिसर।
- 12- विभागीय आदश पुल्तिका हेतु।

काज्ञा से.

(डा० एम०सी० जोशी) अपर सचिव

पुनीरेनेकाच २००८ २६०६ आयोजनायत सन्दान चे०-१० निरुक्तक अधिकारी नहेंचेच दुर्जा क्रियम

1		
141 AXV 0500 AXV	्या प्राप्तिक कार्यन्त अस्तित साम्या साम्या प्राप्तिकारा कार्यन कार्य कार्यो कार्या कार्या प्राप्तिकारा कार्यन कार्य कर्यों कर्या कार्या प्राप्तिकारा कार्यन कार्य कर्यों कर्या कर्या स्था अस्ति कर्यों कार्या कर्यों कर्या कर्या कर्या स्था अस्ति कर्यों कर्यों कर्यों कर्यों कर्या कर्यों	वंतर प्रदेशम्य तथा वंत्यामीपंक का विवस्प
4330	ĝ	मानक सदसर अन्तर्वाचित्र अस्य
1529	di di	त्रकाता ज्ञाता संघ आधि व अनुम्बन्धि वस्म
TEL	11(8)	Bibles Means agent
	प्राप्ता प्राप्ता क्षेत्रक स्वतात स्थान स	নিস্তানীর্থক জিলাই ক্রান্ত্রতার জিলা ভাবা है।
110	THE STATE OF THE S	4
18311	1001	प्राधिकांच क कार लाग ई की चुल सनगड़ि
4.300	180% Pr	प्रविभिन्नाम के बहुद स्तरमं १ में कृत अवस्था सन्तर्भाष

जवसंबत शामन वित्त अनुवन-2 वित्त अनुवन-2

(बाक एक्सरीक व्यंशी)

Fig. day of

tell per terregin

DEPT RESIDE

false or less

HILPSIE (N)

popper

पुनविभियोग स्वीकृत

राताड १६४५ क्या जिल्ला

एत एवं पना अपर सचिव

सस्यो 🔰 गुरावनगरना वात्रामकरूक र हिनाक 🕉 गार्च, २००५

पारविनोवि निकारिनार्यक का श्रीमनाह्य एवं उत्तवस्थक कार्यवाह्य ह्यु संस्ता । १ - औरल कार्याक्षेत्रवादी देहस्सहून।

इ. विहा प्रकृतिय द

्रिक्ट तक्ष्मण वस्त्र) (इस्ट वक्ष्मण वस्त्र)